नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भोजशाला; दोनों पक्ष संयम रखें

धार स्थित भोजशाला विवाद पर इंदौर हाई कोर्ट का हालिया फैसला केवल एक धार्मिक स्थल के स्वामित्व या पूजा-अधिकार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत में इतिहास, आस्था और संवैधानिक व्यवस्था के जटिल संबंधों को भी सामने लाता है. अदालत ने एएसआई सर्वे और उपलब्ध ऐतिहासिक साक्ष्यों के आधार पर भोजशाला परिसर को मंदिर स्वरूप का माना है तथा हिंदू पक्ष को पूजा का अधिकार दिया है. साथ ही एएसआई को परिसर की निगरानी जारी रखने के निर्देश भी दिए गए हैं. स्वाभाविक रूप से इस निर्णय के बाद हिंदू संगठनों में उत्साह है, जबकि मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट जाने की घोषणा की है. ऐसे समय में सबसे बड़ी आवश्यकता संयम और संवैधानिक मर्यादा बनाए रखने की है.

भोजशाला का इतिहास सदियों पुराना माना जाता है. इसे राजा भोज के समय संस्कृत शिक्षा और मां वाग्देवी की उपासना का केंद्र बताया जाता रहा है. हिंदू पक्ष ने शिलालेखों, स्थापत्य संरचनाओं, गजेटियर और एएसआई रिपोर्ट के आधार पर यह दावा रखा कि परिसर मूलतः मंदिर था. दूसरी ओर मुस्लिम पक्ष का तर्क रहा कि यह स्थल लंबे समय से कमाल मौला मस्जिद के रूप में भी उपयोग में रहा है और मौजूदा व्यवस्था सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए बनाई गई थी. यही कारण है कि यह विवाद केवल पुरातात्विक या धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता से भी जुड़ा हुआ है.

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में एएसआई के 2003 के उस आदेश को आंशिक रूप से निरस्त किया है, जिसमें नमाज की अनुमति दी गई थी. अदालत ने केंद्र सरकार को यह भी सुझाव दिया कि यदि आवश्यक हो तो मुस्लिम पक्ष के लिए वैकल्पिक भूमि पर विचार किया जा सकता है. बहरहाल, इस मामले में यह ध्यान रखना होगा कि विवाद अभी अंतिम रूप से समाप्त नहीं हुआ है. मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का निर्णय लिया है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह उसका संवैधानिक अधिकार है. दरअसल, भारत जैसे विविधताओं वाले देश में धार्मिक विवादों का समाधान केवल कानूनी फैसलों से नहीं, बल्कि सामाजिक परिपक्वता से भी तय होता है. अयोध्या प्रकरण के बाद देश ने देखा कि लंबे विवाद के बावजूद समाज ने व्यापक शांति और संयम का परिचय दिया.

भोजशाला मामले में भी वही जिम्मेदारी अपेक्षित है. किसी भी पक्ष की विजय को दूसरे पक्ष की पराजय के उत्सव में बदलना सामाजिक सौहार्द के लिए ठीक नहीं होगा. अदालतों का काम साक्ष्यों और कानून के आधार पर निर्णय देना है, जबकि समाज का दायित्व आपसी विश्वास बनाए रखना है.

यह भी महत्वपूर्ण है कि इतिहास की व्याख्या राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का माध्यम न बने. भारत की सभ्यता बहुस्तरीय रही है, जहां अनेक कालखंडों की परंपराएं एक-दूसरे से जुड़ती और टकराती भी रही हैं. ऐसे विवादों में राजनीतिक बयानबाजी या उग्र प्रदर्शन स्थिति को जटिल बना सकते हैं. राज्य सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए किसी भी प्रकार की उत्तेजना को रोका जाए.

भोजशाला पर हाई कोर्ट का फैसला निश्चित रूप से ऐतिहासिक महत्व रखता है, लेकिन अंतिम संवैधानिक शब्द अभी सुप्रीम कोर्ट को कहना है. इसलिए दोनों पक्षों को न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास रखते हुए धैर्य और संयम बनाए रखना चाहिए. लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि आस्था के प्रश्न भी कानून और संवाद की चौखट के भीतर सुलझाए जाएं.

मोदी-शाह के समान नौकरशाह भी तेल बचाएं

प्रधानमंत्री की आम लोगों से तेल बचाने के लिए की गई अपील, राष्ट्रीय हित में स्वागत योग्य है. देश में चुनावी रैलियों और रोड शो जैसे राजनीतिक प्रदर्शनों पर पूर्णत: प्रतिबंध लगा देना चाहिए, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा अध्ययन किया जाना चाहिए कि कार काफिलों को सुरक्षा प्रभावित किए बिना कम किया जा सकता है या नहीं. केंद्र और राज्य तथा उनके विभिन्न उपक्रमों द्वारा सरकारी कार खरीद कार्यक्रम को किफायती श्रेणी तक सीमित कर देना चाहिए. केवल राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और भारत आने वाले विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के लिए ही लग्जरी कारों के उपयोग की सुविधा होनी चाहिए, सेना के जवानों के लिए कैंटीन स्टोर डिपार्टमेंट्स से कुछ दिनों के लिए जीएसटी सब्सिडी देकर कारें नहीं बेची जानी चाहिए.

अब समय आ गया है कि एयरकंडीशनिंग सुविधा वाले उन्नत ऑटोरिक्शा बाजार में लाए जाएं, ताकि कम से कम मध्यमवर्ग ऐसे वातानुकूलित ऑटोरिक्शा का उपयोग पसंद करें. इससे सड़क और पार्किंग की समस्या कम होगी तथा ये पर्यावरण अनुकूल भी होंगे. क्योंकि अब ऑटोरिक्शा या तो बैटरी से चलते हैं या सीएनजी इंजन वाले होते हैं. दिल्ली में पहले ही कारों की उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए कार पार्किंग शुल्क दोगुना किया जा चुका है. महंगी कारों पर जीएसटी बढ़ाकर 40 प्रतिशत किया जाना, एक सही निर्णय था. अधिक से अधिक शहरों में मेट्रो नेटवर्क बिछाना हमारी प्राथमिकता होना चाहिए, कार निर्माता मेट्रो कोच निर्माण की ओर भी जा सकते हैं, वे अपनी उत्पादन क्षमता का उपयोग तीन पहिया वातानुकूलित ऑटोरिक्शा बनाने में भी कर सकते हैं. सभी करों के सहित 10 लाख रुपए से अधिक एक्स शो रूम कीमत वाली कारों के निर्माण को हतोत्साहित करने हेतु कदम उठाए जाने चाहिए. महंगी कारों पर रोड़ टैक्स, बीमा प्रीमियम और अन्य सभी शुल्क सस्ती कारों की तुलना में दोगुने होने चाहिए, कारों का वर्गीकरण, उनकी लंबाई और इंजन क्षमता के बजाय एक्स शो रूम कीमत के आधार पर होना चाहिए.

दिल्ली जैसे शहर में 10 वर्ष पुरानी डीजल कारों और 15 वर्ष पुरानी पेट्रोल कारों को अनिवार्य रूप से कबाड़ घोषित करने की कार स्क्रैपिंग नीति, वास्तव में कार उद्योग को बढ़ावा देने का अप्रत्यक्ष तरीका है, इसलिए इस पर रोक लगनी चाहिए, हर वाहन के लिए अनिवार्य होना चाहिए कि वह 10 वर्ष बाद अधिकृत वर्कशॉप जाकर कंप्यूटरीकृत फिटनेस परीक्षण में शामिल किया जाए और योग्य पाए जाने पर ही उसे अगले समय के लिए लाइसेंस दिया जाए, जो कारें परीक्षण पास करने में असफल रहें, उन्हें स्क्रैप करने का आदेश दिया जाना चाहिए. 10 वर्ष बाद कारों के लिए अलग रंग की नंबर प्लेट शुरू की जानी चाहिए, किसी कार मॉडल के बहुत अधिक वेरिएंट ग्राहकों को भ्रमित करते हैं अत: केवल दो वेरिएंट होने चाहिए.

एक किफायती ग्राहकों के लिए बेसिक एलएक्स और दूसरा सभी अतिरिक्त सुविधाओं से युक्त वीएक्स के साथ, तीसरा ऑटोमेटिड गियर वाला मॉडल भी होना चाहिए. केंद्र सरकार को बैटरी जैसी सामान्य एक्सेसरीज के मानकीकरण को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि विभिन्न कंपनियों की अलग-अलग कारों में समान पुर्जी का उपयोग हो सके.

-सुभाषचंद्र अग्रवाल

सरकारी कार खरीदी भी सीमित हो

भारत अपनी कुल जरूरत का 70 फीसदी से ज्यादा तेल आयात करता है और जिस तरह से लगातार तनाव की स्थितियां बनी हुई हैं, उसके कारण पिछले 2 महीनों में तेल की कीमतें दोगुने से ज्यादा बढ़ गई हैं. इस कारण भारतीय तेल कंपनियों को हर दिन लगभग 2400 करोड़ रुपए का घाटा उठाना पड़ रहा है. प्रधानमंत्री का आह्वान इन्हीं समस्याओं को लेकर था. उन्होंने अपने कारों के काफिले में महत्वपूर्ण कमी कर दी है. वह सिर्फ 2 कारों के साथ राजधानी दिल्ली में निकले थे. इसी का अनुसरण गृहमंत्री अमित शाह को भी करते देखा गया है. इसलिए अब बड़ी जिम्मेदारी बाकी मंत्रियों, नौकरशाहों और देश के एलीट वर्ग की है कि वो भी इस कदम का अनुसरण करें.

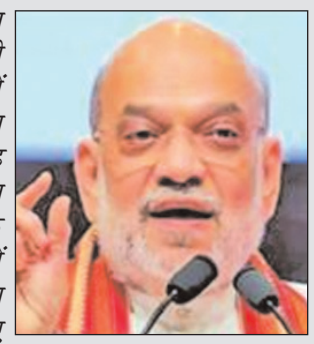

मध्य क्षेत्र की डायरी

मध्यप्रदेश में अपराधियों में पुलिस का खौफ नहीं

दिलीप झा

मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार दोपहर प्रेम नगर के वार्ड-9 में एक नाबालिग लड़की की हत्या ने पूरे इलाके को दहला दिया। प्रदीप मारन के किराए के मकान में रहने वाली नाबालिग लड़की की गला रेतकर हत्या पुलिस की कार्यशैली पर बड़ा सवाल है कि क्या अपराधियों में पुलिस का खौफ नहीं रहा? फिर ऐसे पुलिस अधिकारी को थाने की कमान क्यों दी जाती है। सूत्र बताते हैं कि थानेदार बनने के लिए क्षेत्र के राजनेता के पसंद को तरजीह दी जाती है। इसलिए यह समझने में किसी को कोई दिक्कत नहीं हो सकती हैं कि ऐसे पुलिस वाले की थानेदारी कैसी होगी। बताया जा रहा है कि हत्या का आरोपी मनोज डेढ़ साल पहले उस लड़की के साथ दुष्कर्म किया था और वह जमानत पर रिहा था। घटना से पहले आरोपी मनोज नाबालिग से बात करने उसके घर पहुंचा था और उस पर केस वापस लेने के लिए धमका रहा था। लेकिन युवती और उसकी मां ने उसे वहां से डांटकर भगा दिया था। आरोपी दोपहर में दोबारा घर पहुंचा। वहां विवाद बढ़ने पर उसने नाबालिग लड़की पर धारदार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी। बीच-बचाव करने आईं संजना की मां संगीता भी इस हमले में घायल हो गईं। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मंडीदीप पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच कर गहन जांच में जुटी लेकिन मंडीदीप थाना प्रभारी रंजीत सराठे ने बताया कि पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही थी. मामले में मर्ग कायम कर सभी पहलुओं की गहनता से जांच की गई. मामले के दो दिन बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, धर्म परिवर्तन के लिए दबाव

पिछले कई महीनों से प्रदेश के पिछड़े जिलों में धर्मांतरण का घिनौना षड्यंत्र चल रहा है। भोलीभाली आदिवासी लड़कियों को प्यार के चंगुल में फंसाकर उस पर धर्मांतरण के लिए दवाब बनाया जा रहा है। गुना, खंडवा, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर समेत कई जिलों में धर्मांतरण का खेल चल रहा है. मध्यप्रदेश सरकार को इसके खिलाफ कठोर कानून लेकर आना चाहिए। अशोकनगर जिले में पिछले माह भी अल्तमाश खान, आहत शेख और अरहान अली तीनों भोपाल के निवासी ने नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म किया और उन पर जबरन धर्म परिवर्तन का दवाब बनाया था। अशोकनगर जिले में 6 मई को एक बार फिर धर्मांतरण का मामला सामने आया है, जहां मुस्लिम युवक ने हिन्दू युवती को अपने प्रेमजाल में फंसाकर शादी का झांसा देते हुए उससे दुष्कर्म किया और फिर धर्म परिवर्तन का दबाब बनाया। यह मामला जैसे ही पुलिस की संज्ञान में आया तो पुलिस द्वारा युवती को सकुशल दस्तयाब करते हुए आरोपी युवक और उसकी मां को गिरफ्तार किया गया। दरअसल सिटी कोतवाली में मंगलवार को युवती के भाई ने अपनी 18 वर्षीय बहन के रात्रि में बिना बताए घर से कहीं चले जाने की सूचना दी थी, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच में लिया। हालांकि

मामले की गंभीरता को देखते हुए **पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा** द्वारा थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रविप्रताप सिंह चौहान को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। थाना प्रभारी ने टीम गठित कर गुमशुदा युवती की तलाश शुरू की तो तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महज दो घंटे के भीतर पीड़िता को सकुशल दस्तयाब किया गया। वहीं पीड़िता के कथन के बाद पुलिस ने आरोपी आसिफ खान एवं आरोपी की मां को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी आसिफ खान निवासी आजाद मोहल्ला द्वारा उसे बहला-फुसलाकर घर से ले जाया गया। वहीं युवक द्वारा विगत लगभग 3 वर्षों से शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया जा रहा था तथा उस पर धर्म परिवर्तन हेतु दबाव बनाया जा रहा था। इस कृत्य में आरोपी की मां के द्वारा भी सहयोग किया जा रहा था।

धंधा ठप होने की आशंका से ज्वेलर चिंतित

भारत में ज्वेलरी उद्योग का वार्षिक टर्नओवर लगभग 10 लाख करोड़ रुपया है. प्रधानमंत्री मोदी का भावनात्मक आवाहन है कि लोग 1 वर्ष तक सोना न खरीदें क्योंकि विदेश से सोना आयात करने से विदेशी मुद्रा कोष घटता है. 2025-26 में भारत में 72 अरब डॉलर के स्वर्ण का आयात हुआ. इसके पूर्व वर्ष की तुलना में यह 24 प्रतिशत की वृद्धि थी. सोने के दाम डेढ़ लाख रुपए प्रति 10 ग्राम हो जाने के बावजूद भारतीयों का इस पीली धातु की ओर आकर्षण कम नहीं हुआ है. लोगों का प्रेम सिर्फ आभूषणों से नहीं है, ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है. अर्थव्यवस्था की दृष्टि से सोना मृत निवेश या डेड इन्वेस्टमेंट कहलाता है क्योंकि लॉकर में पड़ा हुआ सोना देश की उत्पादकता में कोई मदद नहीं देता. बैंक डिपॉजिट या शेयर में निवेश किए गए पैसे से अर्थव्यवस्था को गति मिलती है. इससे उद्योग-धंधे खुलते हैं व लोगों को रोजगार उपलब्ध होता है. इसलिए सरकार ने लोगों को गोल्ड बॉन्ड में निवेश का विकल्प दिया है. इसमें सोने के मूल्य में वृद्धि का लाभ मिलता है और ब्याज के रूप में आय भी होती है. इससे देश में स्वर्ण आयात करने की जरूरत भी नहीं पड़ती. इसलिए देशहित में केंद्र सरकार ने सोना-चांदी पर लगने वाली ड्यूटी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी है. इसका उद्देश्य स्वर्ण खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है. दूसरी ओर यह मुद्दा भी है कि यदि लोगों ने एक वर्ष तक स्वर्ण खरीदी पूरी तरह बंद कर दी तो इस व्यवसाय से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े 1 करोड़ से अधिक लोगों का जीवनयापन मुश्किल में पड़ जाएगा. इसमें सराफा व्यवसायी, उनके कर्मचारियों व कारीगरों का समावेश है. छोटे स्तर पर काम करने वाले सुनार भी दिक्कत में आ जाएंगे. ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी कौन्सिल ने इस संबंध में चिंता जताई है. खरीदारी बंद होने से इस व्यवसाय में लगभग 30 प्रतिशत या 3 लाख करोड़ रुपए की गिरावट आने की आशंका है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

ट्रंप-जिनपिंग मिल चाटेंगे मलाई क्योंकि चोर-चोर मौसेरे भाई

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप चीन की यात्रा पर हैं. पूंजीवादी ट्रंप कम्युनिस्ट शी जिनपिंग से कैसे पटरी बिठाएंगे? दोनों की विचारधारा में छत्तीस का आंकड़ा है इसलिए सहमति कैसे और किन बातों पर होगी?'

हमने कहा, 'दोनों पक्षों की तैयारी मतलब की यारी निभाने की होगी. आपने कहावत सुनी होगी 'चोर-चोर मौसेरे भाई!' ट्रंप चाहते हैं कि चीन अमेरिका के साथ व्यापार बढ़ाएं. वह अमेरिका से बोइंग विमान, सोयाबीन, सोरगम, बीफ और इथेनॉल खरीदे. बदले में चीन बड़े पैमाने पर अमेरिका में निवेश करे.'

पड़ोसी ने कहा, 'विश्व की नंबर वन इकोनॉमी अब नंबर टू इकोनॉमी से तालमेल जमा कर दुनिया के बाकी देशों को अंगूठा दिखाने की सोच रही है. दोनों पक्षों की मुलाकात में ईरान युद्ध, तायवान, मानवाधिकार जैसे मुद्दों पर चर्चा टाली जाएगी. सिर्फ धंधे की बात होगी ताकि दोनों मिलकर दुनिया को लूट सकें. चीन भी पूरी तरह कम्युनिस्ट नहीं है. उसने

कंट्रोल्ड कैपिटलिज्म या नियंत्रित पूंजीवाद को अपना रखा है. चीन में भी अरबपति बड़ी तादाद में मौजूद हैं. चीन के प्रमुख शहर या मेगासिटी बीजिंग, शंघाई, चेंगडू, गुआनझाऊ, चोंगकिंग उद्योग, वित्त, प्रौद्योगिकी के केंद्र हैं और प्रत्येक की आबादी 1 करोड़ से अधिक है. इसलिए अमेरिका वहां अपने माल के लिए बाजार चाहता है.'

हमने कहा, 'ट्रंप नेता कम, व्यापारी ज्यादा हैं. 2017 में भी वह चीन गए थे. इस समय वह तकनीक और उद्योग क्षेत्र के दिग्गजों को अपने साथ चीन ले गए हैं. चीन भी चाहेगा कि टैरिफ के मुद्दे पर ट्रंप ढील दें. चीन के साथ पिंगपांग (टेबल टेनिस) डिप्लोमेसी की शुरुआत पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने की थी. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वह चीन की यात्रा करने वाले पहले प्रेसिडेंट थे.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, ट्रंप ने कहा है कि ईरान को झुकाने के लिए चीन की मदद उन्हें नहीं चाहिए. अमेरिका खुद ही युद्ध या शांतिपूर्ण चर्चा से ईरान की समस्या सुलझा लेगा. ट्रंप की यात्रा आपसी व्यवसाय को लेकर है. चीन-अमेरिका तालमेल ज्यादा बढ़ा तो पुतिन प्रेशर में आ जाएंगे और जापान तथा तायवान की बेचैनी बढ़ जाएगी.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12259 - डॉ. सागर खादीवाला

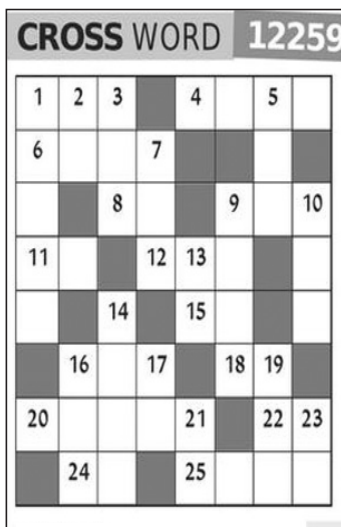

(सं.) 2. घर, मकान, रहना (सं.) 3. कोई मंत्र लिखकर जलाने के लिए बत्ती की तरह लपेटा हुआ कागज, बारूद में आग लगाने की बत्ती. 5. की ओर (उर्दू) 7. गायब, जिसका कोई पता न हो 9. सूर्य 10. कड़कड़ाते हुए घी या तेल में डालकर पकाना 13. चर्खी, घिरनी जिस पर तागा या कागज लपेटा जाता है 14. श्रीकृष्ण के बड़े भाई 16. व्यग्र 17. संगीत में स्वर का विस्तार 19. प्रश्न 21. अदद, संख्या, नगीना 23.

बाएं से दाएं
1. पितरों के निमित्त किया जाने वाला दान, दान (सं.) 4. भांडा, पात्र 6. कृष्ण द्वारा गोपियों के साथ मिलकर किया जाने वाला नृत्य 8. उष्णता, ज्वर (सं.) 9. मुसीबत, विपदा 11. नवजात शिशु, शिशु, कम उम्र, नादान 12. स्तुति, प्रशंसा, परिचय 15. बेल 16. महावर 18. पर्याप्त, बड़ी मोटरगाड़ी 20. ब्रम्हा, चतुर्मुख 22. श्रृंगाली, गीदड़ी, घोड़ी, वामाचारी 24. एक विदेशी शराब (अं.) 25. असावधानी, बेपरवाही

ऊपर से नीचे
1. जिसमें ढोंग न हो, ढोंग रहित

Solution 12258

सा	श्रु		कु	र	सी		अ
य	ति		आ	स			मा
बा		प	र	म		स	व
न	ट	नी		ला	वा	रि	स
	मा	र		ई	द		
प	ट		प		वि	ग्र	ह
का	र	तू	स		वा	ह	न
ना		ती	ली		द		न

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में आर्थिक सहयोग मिलेगा, शिक्षा कार्य में अचानक यात्रा हो सकती है, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में मन खिन्न रहेगा, व्यापार में व्यय और भागदौड़ एवं वृद्धि होगी, मित्र के कारण तनाव हो सकता है, वर्ष के अन्त में प्रतिष्ठा एवं यश में वृद्धि होगी, घरेलू कार्यों में व्यस्तता रहेगी, व्यय में नियंत्रण रखकर कार्य करें.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियोंको कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, कर्मचारियों का सहयोग रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग रहेगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को सामाजिक कार्य में ख्याति प्राप्त होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियोंको प्रोत्साहन प्राप्त होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मान सम्मान में वृद्धि होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को निज नई योजनाओं पर विचार विमर्श होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्पष्टवादी, परोपकारी, दार्शनिक प्रवृत्ति का होगा, अपने कार्य में निपुण होगा, नेतृत्व करने की क्षमता अच्छी रहेगी, सूक्ष्मदर्शी और दूरगामी होगा, अपने उद्देश्यों के प्रति तत्पर रहेगा.

मेष- बीती बातों को भूलकर कार्य करें, सफलता मिलेगी, स्वजनों एवं प्रयासों में इच्छित कार्य पूर्ण होगा, अनावश्यक विवादों को आलना हितकर रहेगा.

वृषभ- धार्मिक यात्रा की रूपरेखा बनेगी, सुख साधनों में वृद्धि होगी, प्रियजन से मुलाकात सुखद रहेगी, अधिकारियों से मेलजोल बढ़ेगा, अनावश्यक खर्च बढ़ेगा.

मिथुन- रूका धन मिलने का योग है, जिम्मेदारी का कार्य बनेगा, कारोबारी यात्रा सफल रहेगी, धार्मिक आयोजन होगा. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

कर्क- आत्म विश्वास से अपनी बात कहें, राह आसान होगी, अपने सामान की सुरक्षा व्यवस्था स्वयं करना हितकर रहेगा, मनोविकारों से मुक्ति मिलेगी, दाम्पत्य सुख रहेगा.

सिंह- कानूनी मामले में सावधानी से निर्णय की जरूरत है, खोया विश्वास फिर से मिलेगा, विवादास्पद मामलों को टालना हितकर रहेगा, पूज्य व्यक्ति की सलाह लें.

कन्या- विरोधी खुलकर आलोचना करेंगे, सोचसमझकर पूँजी निवेश करें, कार्य की अधिकता से थकान महसूस होगी, महिला जाति की सलाह लेना हितकर रहेगा.

तुला- स्वास्थ्य में सुधार होगा, साझेदारी में बड़ी योजना शुरू कर सकते है, आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी, सामाजिक कार्यों में उत्साह बना रहेगा.

वृश्चिक- कुछ लोग आपको अंधेरे में रखकर नुकसान कर सकते हैं, राजनैतिक कार्यों में रूचि एवं लगन रहेगी, अत्याधिक लाभ प्राप्त होगा.

धनु- मित्र की मदद से बिखरे कार्य समेटने में सफल होंगे, राजकीय कार्यों में पक्ष मजबूत होगा, धार्मिक कार्यों के प्रति रूचि रहेगी.

मकर- सूझबूझ से आगे बढ़ें, सफलता मिलेगी, युवाओं को कामकाज में सफलता का योग है, वाद विवाद को टालें, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, उदर विकार से कष्ट होगा.

कुम्भ- सपने पूरे करने का संभव है, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी, पारिवारिक सुख एवं सहयोग मिलेगा, व्यवसाय में अनपेक्षित आगन्तुकों का समागम होगा.

मीन- आत्म विश्वास की कमी से बड़ा फैसला लेने से बचेंगे, अपनी कार्य योजना को गुप्त रखें, गुप्त शत्रुओं से सतर्कता बांछनीय, प्रयासों का लाभ मिलेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

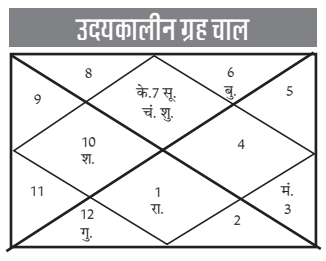

पंचांग

रा.मि. 26 संवत् 2083 शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या शनिवासरे रात 1/37, भरणी नक्षत्रे शाम 5/22, सौभाग्य योगे दिन 10/5, चतुष्पाद करणे सू.उ. 5/23, सू.अ. 6/37, चन्द्रचार मेष रात 10/59 से वृषभ, पर्व- स्नानदान श्राद्ध अमावस्या, शु.रा. 1,3,4,7,8,11 अ.रा. 2,5,6,9,10,12 शुभांक- 3,5,9.

व्यापार भविष्य

शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या को भरणी नक्षत्र के प्रभाव से गेंहूं, चना, कपास, सन् वस्त्र, तांबा, के भाव में तेजी होगी, अन्य वस्तुओं में हल्की तेजी की लाईन रहेगी. भाग्यांक 2512 है.

SUDOKU 7391

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7390

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4